दिनांक 22 नवम्बर, 2020 को झारखंड विधान सभा के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देती हूँ।

- झारखण्ड विधान सभा के गठन के 20 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। आज का स्थापना दिवस हम सभी के लिए अपनी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ ही कमियों पर मंथन एवं चिन्तन करने का भी अवसर प्रदान करता है।

- सभा से आम जनता की अपेक्षायें हैं और आवश्यकता है आत्म चिंतन करने का, मंथन करने का कि उन अपेक्षाओं को पूरा करने में हम किस हद तक सफल हुए हैं।

- राज्य की जनता न सिर्फ हमारे कार्यकलाप को देखती है, बल्कि इस Globalization के इस युग में वैश्विक स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे विकास कार्यों का भी अवलोकन करती हैं, समीक्षा करती है और तद्नुसार अपनी स्थिति को आँकने की कोशिश भी करती हैं ।

- इस अवसर पर मैं यह भी उल्लेख करना चाहूँगी कि निश्चितरूपेण, झारखण्ड विधान सभा ने विगत 20 वर्षों में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण कार्य किया है तथा जनहित की

समस्याओं के निदान एवं राज्य के विकास की दिशा में कई सफलताएँ भी अर्जित की है। लेकिन उस गति को हम सभी दलगत भावना से ऊपर उठकर और तेज करने की आवश्यकता है।

- राज्य का सर्वोच्च प्रातिनिधि संस्था होने के नाते लोगों की इच्छा को मूर्त रूप प्रदान करना विधान सभा का महत्वपूर्ण दायित्व है। अत: विधायकों के रूप में आपका यह मूल कर्तव्य है कि आप कार्यपालिका के कार्य–निष्पादन की निगरानी करें और लोगों की समस्याओं के प्रति सजग, सचेत तथा जवाबदेह रहें।

- कार्यपालिका संविधान के अंतर्गत विधायिका के समक्ष किए गए कार्यों का आवश्यकतानुसार ब्यौरा प्रस्तुत करती है, लेकिन प्रश्न यह है कि ''आप एक विधान सभा सदस्य के रूप में कितने प्रभावी तरीके से सभा अथवा समिति में सरकारी कार्यों की गहन जांच करने में समर्थ होते हैं।''

- इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि जनता अपने क्षेत्र के प्रतिनिधि का चयन बहुत अपेक्षा, आशा और विश्वास के साथ करती है। ये प्रतिनिधि उनकी समस्याओं के निराकरण तथा क्षेत्र के विकास के लिए उत्तरदायी होते हैं। देश व राज्य के विकास की गति के लिए संसद एवं विधानमंडल को ही जिम्मेदार माना जाता है, इस बात का ध्यान हमेशा हमारे सभी विधायकगण और मंत्रिमंडल के सदस्यगण रखें।

➢ Social Sites के वर्त्तमान व्यापक दौर में जनता यह देखती और चिंतन करती है कि अन्य राज्यों में जनता के लिए कौन-सी कल्याणकारी योजनायें संचालित हो रही हैं, इसके क्या प्रभाव हुए हैं और अच्छे परिणाम प्राप्त होने पर इसको अपने यहाँ भी अपनाने की अपेक्षा करती है। इसलिए हमारे विधायकों को भी इस मामले में सचेष्ट रहना चाहिये। उन्हें अपने यहाँ संचालित विभिन्न योजनाओं के साथ अन्य प्रदेशों में संचालित योजनाओं से अच्छी तरह अवगत रहना चाहिये।

➢ विधानमण्डल को सदैव सचेष्ट रहना है कि जनहित हेतु आवश्यकताएँ क्या है, उनकी समस्यायें क्या है, ताकि उसके अनुरूप नीतियाँ बनाई जा सकें। जन-प्रतिनिधियों को जनता की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से जानकर उन्हें मूर्त्त रूप प्रदान करने की दिशा में सक्रिय रहने की आवश्यकता है। उन्हें अपनी कार्यों में पारदर्शिता रखनी होगी तथा लोगों से अच्छी तरह पेश आयें।

➢ किसी कार्य में कठिनाई में है तो जनता को उन जटिलताओं से अवगत करायें। जनता अपने जन-प्रतिनिधि को पूर्णतः ईमानदार समझें, ऐसा माहौल बनें। रामराज्य की स्थापना की दिशा में जन-प्रतिनिधि, जनता और पदाधिकारी एवं कर्मी का ईमानदार होना आवश्यक है।

➢ मैं विधानसभा के सदस्यों से कहना चाहूँगी कि सदन के समक्ष कोई Act & Regulation पारित करने हेतु लाया

जाय, तो उसके प्रारूप को वे गंभीरतापूर्वक अध्ययन एवं उस पर मन्थन करें। इसके लागू होने से जनता पर पड़ने वाले प्रभाव का चिन्तन करें, तभी आप जनता के प्रति अपने कर्त्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर पायेंगे।

➢ सदन में बेहतर ढ़ंग से वाद-विवाद हो, सबकी बात सुनी जाय। सदस्यगण सदन के समक्ष जनहित में तथ्यपरक विषय लायें। सूचना तकनीक के इस युग में जनता अपने प्रतिनिधि का सदन में आचरण का आकलन करती है। हमारी जनता न केवल अपने क्षेत्र के विधायक द्वारा किये गये प्रश्न को गंभीरतापूर्वक सुनती है, बल्कि सरकार का उस पर क्या विचार है, ये भी जानने को जिज्ञासु रहती है। इसे सदैव ध्यान में रखने की जरूरत है। इसलिए सदस्यों को बेहतर तरीके से प्रश्न करना चाहिये और सरकार को उचित जबाब देना चाहिये।

➢ सरकार से यदि जनहित की कोई बात छूट जाय, तो विपक्ष को इस ओर प्रभावी रूप से ध्यान दिलाना चाहिये, लेकिन इस क्रम में सदन की गरिमा को ठेस न पहुँचे, यह भी ध्यान रखना आवश्यक है। विपक्ष विरोध करने के लिए विरोध न करें, अपनी रचनात्मक भूमिका निभायें। स्वयं के प्रति ईमानदार रहें।

➢ वर्तमान में वैश्विक नोवेल कोरोना वायरस का दौर है। आप लोग कम से कम अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मास्क पहनने और Social Distancing का पालन

करने हेतु आग्रह करें। आशा है कि शीघ्र ही vaccine देश में आ जायेंगे।

➢ परिस्थिति सामान्य होने पर मैं चाहूँगी कि आपलोग अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाके में जाकर जनता दरबार का आयोजन करें। इससे आप लोग उनके सुख-दु:ख को और बेहतर तरीके से जान सकेंगे। साथ ही विकास की संभावनायें भी सामने आयेंगे। आपको आपके विधानसभा का हर व्यक्ति पहचाने। आप अपनी छवि ऐसी बनायें कि जनता को आपमें अपनापन नज़र आये और आपके समक्ष खुले मन से क्षेत्र की समस्याओं को प्रकट कर सकें।

➢ यह प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड विधानसभा द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष एक विधायक को उत्कृष्ट विधायी सम्मान से सम्मानित किया जाता है। मैं इस वर्ष उत्कृष्ट विधायक का सम्मान ग्रहण करने वाले सदस्य श्री नलिन सोरेन जी को हार्दिक बधाई देती हूँ।

➢ साथ ही उनसे कहना चाहूँगी कि उत्कृष्ट विधायक के रूप में चयनित होने पर उनसे जनता को अपेक्षायें और बढ़ जाती है, यह सदा ध्यान रखें। इस अवसर पर मैं पुरस्कार ग्रहण करनेवाले विधानसभा के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देती हूँ। साथ ही अपेक्षा करती हूँ कि वे इतनी निष्ठा के साथ अच्छा कार्य करें कि लोग उनसे प्रेरित हों।

- झारखण्ड विधानसभा की गणना देश में आदर्श विधानसभा के रूप में हो। इसके लिए विधानसभा के प्रत्येक सदस्य को अपनी सक्रिय भूमिका की आवश्यकता है, ताकि हम अपने राज्य की जनता के दु:ख–दर्द को दूर करके एक समृद्ध और गौरवशाली झारखण्ड का निर्माण कर सकें।

- मैं झारखण्ड विधान सभा के समस्त विधायकों का आह्वान करते हुए आशा करती हूँ कि वे दलीय भावना से ऊपर उठकर 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' की भावना से अभिसिंचित हो, ओत–प्रोत हो। चूंकि आम जनता जो अपनी आशाओं और आकांक्षाओं के लिए हमारे सदस्यों की ओर, हमारी विधायिका की ओर, हमारी कार्यपालिका की ओर टकटकी लगाये हुए है, उनेकी आशा और विश्वास पूर्ण हो।
- एक बार पुन: आप सभी को इस पुनीत अवसर पर बधाई देती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!